दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स राजस्थान

नवंबर (संग्रह)

2021

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

राजस्थान **5**

- मानसरोवर एवं प्रतापनगर जयपुर चौपाटी 5
- इंटीग्रेटेड आयुष हॉस्पिटल 5
- कोटा में चंबल नदी पर रिवर फ्रंट का निर्माण 5
- 660 मेगावाट की छबड़ा सुपर क्रिटिकल इकाई में विद्युत उत्पादन आरंभ 6
- 'प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021' 6
- जल जीवन मिशन 7
- ग्राम लोक व राजस्थानी भाषा सेवा सम्मान समारोह आयोजित 7
- प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भवन का उद्घाटन 7
- इंडिया टुडे टूरिज्म अवाड्र्स-2021 8
- राज्यस्तरीय बाल अधिकार सप्ताह का शुभारंभ 8

नोट :

- राजस्थान विधानसभा में बाल सत्र का आयोजन 9
- दुबई एक्सपो में राज्य प्रतिनिधिमंडल ने किये 24 एमओयू और 17 एलओआई पर हस्ताक्षर 9
- 62वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी राज्य कला पुरस्कारों की घोषणा 10
- महाराणा अवार्ड सम्मान समारोह 11
- जयपुर कला महोत्सव 11
- कोविड वैक्सीनेशन की दूसरी डोज लगाने में भी प्रतापगढ़ अव्वल 12
- घरेलू हिंसा पीड़ित विदेशी नागरिक भारत में दर्ज करा सकती है शिकायत 12
- राज्य में दिव्यांगों को भर्ती के साथ पदोन्नति में भी आरक्षण 13
- 8 आईपीएस समेत 66 अधिकारी व पुलिसकर्मी डीजीपी डिस्क से सम्मानित 13

The Vision

नोट :

नोट :

राजस्थान

मानसरोवर एवं प्रतापनगर जयपुर चौपाटी

चर्चा में क्यों ?

- 1 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रतापनगर एवं मानसरोवर में जयपुर चौपाटी का शुभारंभ किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इन चौपाटियों का विकास राजस्थान आवासन मंडल द्वारा किया गया है।
- ये चौपाटियाँ राज्य में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु राज्य सरकार के प्रयासों का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये चौपाटियाँ जयपुरवासियों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों के लिये खान-पान तथा आकर्षण का केंद्र बनेंगी।
- यहाँ पंजाबी, राजस्थानी, उत्तर भारतीय जैसे परंपरागत व्यंजनों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के फास्टफूड, आइसक्रीम, जूस, शेक तथा कॉन्टिनेंटल व्यंजन एक ही साथ उपलब्ध होंगे।

इंटीग्रेटेड आयुष हॉस्पिटल

चर्चा में क्यों ?

- 2 नवंबर, 2021 को राजस्थान के चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने जयपुर के प्रतापनगर स्थित इंटीग्रेटेड आयुष हॉस्पिटल का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर उन्होंने बताया कि एकीकृत आयुष चिकित्सालय में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी चिकित्सा सुविधा एक ही परिसर में जनसामान्य को प्राप्त होगी। साथ ही, इन चिकित्सा पद्धतियों की विशेषज्ञ चिकित्सा, जैसे- जटिल एवं पुराने रोगियों के लिये पंचकर्म, पाइल्स एवं फिस्टुला के लिये क्षारसूत्र-शल्य चिकित्सा, कमर दर्द आदि के लिये कपिंग थैरेपी आदि भी उपलब्ध हो सकेगी।
- इस चिकित्सालय में आउटडोर व इनडोर सुविधाओं के साथ-साथ नि:शुल्क औषधियाँ भी उपलब्ध होंगी। इसमें गर्भवती महिलाओं एवं दूध पिलाने वाली माताओं के लिये आँचल प्रसूता केंद्र एवं वृद्धावस्थाजन्य रोगों के उपचार के लिये जरावस्था केंद्र भी संचालित होंगे। इसके अतिरिक्त यहाँ योग सुविधा भी उपलब्ध होगी।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा राज्य में 6 राजकीय एकीकृत आयुष चिकित्सालयों का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें अजमेर, भीलवाड़ा, बीकानेर एवं चूरू का निर्माणकार्य पूर्ण हो चुका है। जयपुर का निर्माणकार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित कर दिया गया है। सीकर चिकित्सालय का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।
- चिकित्सा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि इस चिकित्सालय के माध्यम से जयपुर के दक्षिण क्षेत्र के निवासियों को आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा एक स्थान पर उच्च गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

कोटा में चंबल नदी पर रिवर फ्रंट का निर्माण

चर्चा में क्यों ?

- 04 नवंबर, 2021 को दीपावली के अवसर पर राज्य के नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल द्वारा चंबल रिवर फ्रंट के निर्माण में जुटे श्रमिकों के बीच पहुँच कर उन्हें दीपावली की बधाई दी गई तथा चंबल रिवर फ्रंट सामूहिक भोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश में महू के नज़दीक जानापाव पहाड़ी से निकलने वाली चंबल नदी राजस्थान के चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली एवं धौलपुर आदि ज़िलों से गुज़रती है, जिस पर कोटा में रिवरफ्रंट का निर्माण किया जा रहा है।
- इसमें विभिन्न तरह के घाट दुनिया भर के पर्यटकों का ध्यान खींचेंगे। सांस्कृतिक विरासत से नई पीढ़ी का परिचय कराने के लिए यहाँ 20 मीटर के पेडेस्टल पर 42 मीटर ऊँची चंबल माता की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यह अपनी तरह की पहली प्रतिमा होगी।
- कोटा बैराज के पास मैसूर के वृंदावन गार्डन की तर्ज़ पर आधुनिक तकनीक से बनने वाले गार्डन में विश्वस्तरीय फाउंटेन शो का निर्माण किया जा रहा है, जिसका व्यास 40 मीटर होगा।
- उद्यान के पूर्वी छोर पर संग्रहालय का निर्माण किया जा रहा है, जहाँ रिवरफ्रंट के मॉडल प्रदर्शन के साथ कोटा के विकास की गाथा और कला संस्कृति की झलक दिखेगी।

660 मेगावाट की छबड़ा सुपर क्रिटिकल इकाई में विद्युत उत्पादन आरंभ

चर्चा में क्यों ?

- 6 नवंबर, 2021 को राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एनर्जी) डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि 660 मेगावाट के छबड़ा सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युतगृह में विद्युत उत्पादन आरंभ हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- छबड़ा सुपर क्रिटिकल तापीय विद्युतगृह में सालाना शटडाउन के चलते विद्युत उत्पादन नहीं हो पा रहा था।
- डॉ. अग्रवाल ने बताया कि 5 नवंबर को पहली बार कोल इंडिया व विद्युत विभाग की कोल माइंस, दोनों से मिलाकर कोयले की 21 रैक डिस्पैच कराने में सफलता मिली है। राज्य सरकार के कोल ब्लॉक पीकेसीएल से कोयले की 11 रैक डिस्पैच हुई हैं, वहीं कोल इंडिया की अनुषंगी इकाई एनसीएल से 4 और एसईसीएल से 6 रैक डिस्पैच कराई गईं।
- उन्होंने बताया कि राज्य की बंद तापीय इकाइयों में प्राथमिकता से विद्युत उत्पादन शुरू किया जा रहा है, वहीं कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के लिये समन्वित प्रयास किये जा रहे हैं। देशव्यापी कोयला संकट के दौरान प्रदेश में 2600 मेगावाट से अधिक की बंद इकाइयों में बिजली का उत्पादन शुरू किया गया है।
- इससे पहले अक्टूबर माह में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के सूरतगढ़, कालीसिंध और कोटा तापीयगृह की 2000 से अधिक मेगावाट की 6 इकाइयों में विद्युत उत्पादन शुरू किया गया है।

'प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021'

चर्चा में क्यों ?

- 8 नवंबर, 2021 को राजस्थान के श्रम राज्य मंत्री टीकाराम जूली ने अलवर ज़िले में नगर विकास न्यास एवं नगर परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रशासन शहरों के संग अभियान' का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- श्रम राज्य मंत्री ने शिविर में खुदनपुरी निवासी श्रीमती माया देवी सैनी को पहला पटो प्रदान किया।
- इस अवसर पर अलवर शहर विधायक संजय शर्मा ने कहा कि इस अभियान की धारा 69 ए से आमजन के काम आसानी से हो सकेंगे।
- गौरतलब है कि प्रदेश के सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याओं का मौके पर त्वरित निस्तारण हेतु 2 अक्टूबर, 2021 से 'प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021' का शुभारंभ किया गया था।
- हालाँकि अलवर तथा धौलपुर में पंचायत चुनाव तथा प्रतापगढ़ एवं उदयपुर में पंचायत उपचुनाव के चलते आचार संहिता लागू होने के कारण प्रशासन शहरों के संग अभियान 2 अक्टूबर को आरंभ नहीं हुआ था।

नोट :

जल जीवन मिशन

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2021 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जल जीवन मिशन के तहत 49 जल आपूर्ति परियोजनाओं के लिये 695.40 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति के प्रस्तावों को मंज़ूरी प्रदान की।

प्रमुख बिंदु

- वित्त विभाग द्वारा जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत 5 करोड़ रुपए से अधिक की 41 जलापूर्ति योजनाओं, 6 स्वीकृत परियोजनाओं की संशोधित लागत, मोरेल नदी पर सांचोली (सवाई माधोपुर) में एनिकट निर्माण तथा सूरजपुरा से सांभर तक ट्रांसमिशन पाइप लाइन परियोजना सहित कुल 49 परियोजनाओं के लिये 695.40 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति का प्रस्ताव भेजा गया था।
- उल्लेखनीय है कि जेजेएम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिये वर्ष 2021-22 के बजट में 20 लाख घरों को चरणबद्ध रूप से पेयजल कनेक्शन से जोड़ने की घोषणा की गई थी।
- प्रदेश में मौजूदा वित्तीय वर्ष में जेजेएम के तहत ग्रामीण परिवारों को 'हर घर नल कनेक्शन' देने के लिये राज्य सरकार द्वारा अब तक 1077.88 करोड़ रुपए की राशि व्यय की जा चुकी है। जेजेएम में ग्रामीण पेयजल परियोजनाओं पर खर्च के लिहाज से भी राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

ग्राम लोक व राजस्थानी भाषा सेवा सम्मान समारोह आयोजित

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और मरूदेश संस्थान, सुजानगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में चूरू ज़िले के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, भींवसर में ग्राम लोक और कन्हैया लाल सेठिया राजस्थानी भाषा सेवा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर वर्ष 2021 का कन्हैया लाल सेठिया राजस्थानी भाषा सेवा सम्मान अमी संस्थान उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. शिवदान सिंह राणावत जोलावास को प्रदान किया गया।
- राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण व्यास इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ने की।
- इस अवसर पर मधु आचार्य ने कहा कि साहित्य अकादमी, नई दिल्ली राजस्थानी भाषा और साहित्य के लिये महत्त्वपूर्ण कार्य कर रही है और ग्राम लोक का यह आयोजन ग्रामीण अंचलों में राजस्थानी भाषा तथा साहित्य के प्रचार-प्रसार की एक अभिनव पहल है।
- उल्लेखनीय है कि राजस्थानी के पितामह कहे जाने वाले महाकवि कन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध कवि थे। इनको 2004 में पँश्री, साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा 1988 में ज्ञानपीठ के मूर्तिदेवी साहित्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।
- कन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी भाषा के महान रचनाकार होने के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्त्ता, सुधारक, परोपकारी और पर्यावरणविद् भी थे।

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भवन का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 11 नवंबर, 2021 को अल्पसंख्यक मामलात वक्फ एवं जन-अभियोग निराकरण मंत्री शाले मोहम्मद ने प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, जैसलमेर के नवनिर्मित स्वर्णिम भवन का फीता काटकर विधिवत् उद्घाटन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- अल्पसंख्यक मामलात मंत्री ने इस अवसर पर ईश्वरीय ब्रह्मकुमारी बहनों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि इस भवन का निर्माण होने से ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की गतिविधियों का और अधिक विकास होगा।
- इस अवसर पर उदयपुर सेवा केंद्र की प्रमुख बीके रीटा बहन ने बताया कि ईश्वरीय विश्वविद्यालय का लक्ष्य आध्यात्मिक ज्ञान योग के द्वारा मन की बुराइयों को दूर करना, राजयोग द्वारा मन को सशक्त ऊर्जावान बनाना, राजयोग द्वारा घर-गृहस्थी में रहकर मन को शांत करके घर-परिवार को जोड़ना, व्यसनों से मुक्ति, अच्छा लक्ष्य देकर ऊँचा स्वाभिमान देना, एक भगवान एक विश्व परिवार का कॉन्सेप्ट देकर मानव धर्म में सभी को सम्बल देना है।
- उन्होंने बताया कि ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, डूंगरपुर, बाड़मेर एवं अन्य स्थानों से ब्रह्मकुमारी बहनें उपस्थित हुई हैं।

इंडिया टुडे टूरिज्म अवाड्र्स-2021

चर्चा में क्यों ?

- 12 नवंबर, 2021 को इंडिया टुडे टूरिज्म अवाड्र्स-2021 में अपनी कला-संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन के लिये विशेष पहचान रखने वाले राजस्थान को दो पुरस्कारों से नवाज़ा गया।

प्रमुख बिंदु

- इंडिया टुडे टूरिज्म अवाड्र्स-2021 समारोह में कोटा के गरडिया महादेव पर्यटन स्थल को 'बेस्ट आइकॉनिक लैंडस्केप डेस्टिनेशन' चुना गया है, वहीं जैसलमेर के डेजर्ट फेस्टिवल को 'बेस्ट फेस्टिवल डेस्टिनेशन' का रनर अप अवार्ड मिला है।
- नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने ये पुरस्कार सौंपे। राजस्थान पर्यटन विभाग की तरफ से निदेशक निशांत जैन ने पुरस्कार ग्रहण किया।

राज्यस्तरीय बाल अधिकार सप्ताह का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 14 नवंबर, 2021 को बाल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बाल अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित बाल अधिकार सप्ताह का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने नेहरू बाल संरक्षण पुरस्कार प्रदान किया एवं बाल देखरेख संस्थाओं के मेधावी बालक-बालिकाओं को सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने करौली के गुड़ला तथा जयपुर के पिपलोद में देवनारायण आवासीय विद्यालय का लोकार्पण भी किया। साथ ही, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की वेबसाइट को लॉन्च किया तथा बाल अधिकार सप्ताह के पोस्टर का विमोचन किया।
- कार्यक्रम में बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन व्यक्तियों एवं तीन संस्थाओं को नेहरू बाल संरक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार बीकानेर की अरुणा भार्गव, द्वितीय पुरस्कार डूंगरपुर के भरत नागदा को एवं तृतीय पुरस्कार नागौर के मनोज कुमार सोनी को दिया गया।
- संस्थान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जोधपुर के नवजीवन संस्थान को, द्वितीय पुरस्कार जयपुर के एसओएस चिल्ड्रेन विलेज को और तृतीय पुरस्कार टोंक की शिव शक्ति शिक्षा समिति को प्रदान किया गया।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के बच्चों और युवाओं में नैतिक मूल्यों तथा गांधीवादी जीवन दर्शन के प्रसार के लिये शांति एवं अहिंसा निदेशालय की स्थापना की है।

नोट :

- इसी तरह मुंबई के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज तथा पुणे स्थित महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी स्कूल ऑफ गवर्नेंस जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज़ पर जयपुर में महात्मा गांधी दर्शन म्यूज़ियम एवं महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एवं सोशल साइंसेज की स्थापना की गई है।
- उन्होंने कहा कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम पर बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों के लिये पुरस्कार प्रारंभ किये गए हैं।

राजस्थान विधानसभा में बाल सत्र का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

- 14 नवंबर, 2021 को बाल दिवस के अवसर पर राजस्थान विधानसभा में ऐतिहासिक बाल सत्र का आयोजन किया गया, जहाँ बच्चों ने ही विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और मंत्री बनकर सत्र चलाया तथा सदस्य बने बच्चों के प्रश्नों का जवाब दिया। विधानसभा के इस अनूठे सत्र में शून्यकाल और प्रश्नकाल का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस बाल सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान विधानसभाध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मंत्रिगण और विधायक उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने दीप प्रज्वलित कर किया।
- विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में 75वें आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विधानसभा में बाल सत्र का संचालन किया गया। ऐसा सत्र देश में पहली बार हुआ है।
- उन्होंने कहा कि यह बाल सत्र संसदीय लोकतंत्र को मज़बूती प्रदान करेगा और लोकतंत्र को लेकर बच्चों के मन की जिज्ञासाओं को भी हम सब समझ सकेंगे। भावी पीढ़ी को सदन चलाने, प्रश्न पूछने और अनुशासन के साथ अपनी बात रखने का मौका दिया गया है। उन्होंने बताया कि बाल सत्र के लिये पंद्रह राज्यों के पाँच हज़ार पाँच सौ बच्चों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से दो सौ बच्चों का चयन किया गया।
- इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि यह एक अद्भुत नवाचार है, जो अन्य राज्यों में भी होना चाहिये, राजस्थान विधानसभा में बाल सत्र का आयोजन अविस्मरणीय रहेगा। देश की भावी पीढ़ी ने जिस सुव्यवस्थित तरीके और अनुशासन के साथ सत्र का संचालन किया है, उससे देश के नौजवानों को भी संदेश मिलेगा कि लोकतंत्र में उनकी क्या भूमिका हो सकती है।

दुबई एक्सपो में राज्य प्रतिनिधिमंडल ने किये 24 एमओयू और 17 एलओआई पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2021 को राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने लॉजिस्टिक, सिरेमिक, स्टोन, रियल एस्टेट, पेट्रोलियम, एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग, ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग, मेडिकल, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी और पर्यटन क्षेत्रों से संबंधित 37 हज़ार 828 करोड़ रुपए के 24 एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) और 17 एलओआई (लेटर ऑफ इंटेंट) किये हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतिनिधिमंडल में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल, उद्योग मंत्री परसादी लाल मीणा और उद्योग राज्य मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया के अतिरिक्त फेडरेशन ऑफ राजस्थान एक्सपोर्टर्स के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव, रीको ईडी रूक्मणि रियार के साथ ही राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हैं।
- उद्योग मंत्री ने बताया कि राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाओं को देखते हुए निवेशकों के अनुरुप नीतियाँ बनाई गई हैं। रिप्स-2019 और एमएसएमई नीतियों से बहुत अधिक निवेश आकर्षित हो रहा है।

नोट :

- वन स्टॉप शॉप के माध्यम से उद्योग से जुड़ी सभी अनुमतियाँ एक ही जगह मिलने से निवेशक राज्य पर भरोसा जता रहे हैं। दुबई एक्सपो में अब तक 37 हज़ार 800 करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू और एलओआई पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।
- उल्लेखनीय है कि दुबई एक्सपो में स्थित इंडियन पैवेलियन में राजस्थान पैवेलियन का उद्घाटन किया गया है। यहां 18 नवंबर तक राज्य प्रतिनिधिमंडल द्वारा निवेशकों को राज्य की निवेश संभावनाओं से अवगत कराया जा रहा है। प्रवासी राजस्थानियों के साथ ही एक्सपो में आए विभिन्न देशों के निवेशकों को 'इन्वेस्ट राजस्थान' के लिये आंमत्रित किया जा रहा है।

62वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी राज्य कला पुरस्कारों की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

- 16 नवंबर, 2021 को राजस्थान ललित कला अकादमी के निर्णायक मंडल द्वारा 62वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी के राज्य कला पुरस्कारों की घोषणा की गई। इसके अंतर्गत राज्य के 10 कलाकारों की कलाकृतियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि प्रदर्शनी में राज्य भर से 196 कलाकारों की 584 कलाकृतियाँ प्राप्त हुई थीं, जिनमें से निर्णायक मंडल ने प्रदर्शनी के लिये 97 कलाकारों की 121 कलाकृतियों का चयन किया। इनमें पुरस्कृत कलाकृतियाँ भी सम्मिलित हैं।
- इस निर्णायक मंडल में अब्बास बाटलीवाला (उदयपुर), असित कुमार पटनायक (दिल्ली) एवं मदनलाल (चंडीगढ़) शामिल हैं।
- प्रदर्शनी में जिन दस कलाकारों की कलाकृतियों को पुरस्कृत करने के लिये चुना गया है, वे हैं-
  - रिचा माहेश्वरी (कोसमोस)
  - कमल किशोर जोशी (मेघराज)
  - डॉ. मणि भारतीय (लैंडस्केप)
  - योगेन्द्र सिंह नरूका (ए मैरिज पार्टी)
  - दुर्गेश कुमार अटल (प्लोवर)
  - निर्मल यादव (द ल्यूनार शेड्स)
  - कुमुदनी भरावा सोनी (कहाँ घूमे कहाँ जाए)
  - राजेंद्र प्रसाद मीना (मूवमेंट आफ जॉय)
  - सुनील कुमावत (होप-3)
  - ऋतु शेखावत (फ्लोइंग वर्लपुल)
- इन 10 कलाकारों को पच्चीस-पच्चीस हज़ार रुपए के नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किये जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि राजस्थान ललित कला अकादमी राजस्थान की ललित कला संस्कृति को बढ़ावा देने, फैलाने और विकसित करने के लिये राजस्थान सरकार का प्रमुख ललित कला संस्थान है। यह एक गैर-लाभकारी, स्वायत्त निकाय है, जिसे कला और संस्कृति मंत्रालय, राजस्थान द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।
- अपनी भूमिका के अनुसरण में अकादमी प्रदर्शनियों, संस्थानों की छात्रवृत्ति, प्रायोजन, फेलोशिप, सहायता योजनाओं, लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड्स का आयोजन करती है और वृत्तचित्र सामग्री प्रकाशित करती है।

नोट :

महाराणा अवार्ड सम्मान समारोह

चर्चा में क्यों ?

- 17 नवंबर, 2021 को दुबई के इंडिया क्लब में राजस्थान फाउंडेशन और मारवाड़ी युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महाराणा अवार्ड सम्मान समारोह में 49 राजस्थानी प्रतिभाओं को अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये 'महाराणा अवार्ड'से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- देश-दुनिया में अपनी प्रतिभा से राजस्थान को गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं को कुल चार श्रेणियों में 'महाराणा अवार्ड'दिये गए। इनमें 20 प्रतिभाओं को महाराणा आईकॉन अवार्ड, 15 प्रतिभाओं को महाराणा उद्यमी अवार्ड, एक प्रतिभा को महाराणा न्यूज़ अवार्ड और 13 प्रतिभाओं को महाराणा अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- फेडरेशन ऑफ राजस्थान एक्सपोर्ट के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने इस अवसर पर कहा कि ऐसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह में प्रवासी राजस्थानियों को मिलने वाला यह सम्मान एक-दूसरे से जोड़ने में मददगार साबित होगा।
- डोरी (डॉक्टर्स ऑफ राजस्थान इंटरनेशनल) फाउंडेशन के डॉक्टर रोहित पुरोहित ने बताया कि महाराणा अवार्ड विशेष रूप से उन प्रतिभाओं को दिया गया है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करके राजस्थान की खुशबू को पूरी दुनिया में फैलाया है।
- राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि दुबई एक्सपो के दौरान राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि मंडल ने निवेशकों के साथ कई दौर की वार्ताएँ आयोजित कीं। निवेशकों ने राजस्थान के सभी क्षेत्रों में निवेश करने पर खूब ज़ोर दिया और करीब 38000 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए।

जयपुर कला महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

- 18 नवंबर, 2021 को राजस्थान विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट डिपार्टमेंट और जयपुर की प्रतिभा एजुकेशनल डेवलपमेंट रिसर्च सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में कला के विविध रूपों और शैलियों को एक मंच पर साकार करने के लिये जयपुर कला महोत्सव की शुरुआत हुई।

प्रमुख बिंदु

- यह कला महोत्सव जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में 22 नवंबर तक चलेगा। जयपुर कला महोत्सव का यह पाँचवा संस्करण है।
- कला को जीवंत बनाए रखने की दिशा में राजस्थान सहित देश के अनेक प्रांतों के कलाकार यहाँ अपना हुनर दिखाएंगे।
- दृश्यकला की यथार्थवादी, समकालीन और आधुनिक चित्रकला एवं मूर्तिकला के नामी वरिष्ठ और युवा कलाकारों की कला के विभिन्न नमूनों के साथ टेक्सटाईल, फोटोग्राफी, पेपेरमैशी, ज्वैलरी, मैटल क्राफ्ट, आर्किटैक्चर, वुड क्राफ्ट और इंस्टालेशन कलाएँ कलाप्रेमियों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं।
- राजस्थान विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग के प्रमुख रजत पंडेल ने बताया कि इस महोत्सव में यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स को भी अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित किया गया हैं, ताकि यहाँ आने वाले लोग देश के नामी कलाकारों की कृतियों के साथ युवा पीढ़ी की कलात्मक अभिव्यक्ति के हुनर का भी आनंद उठा सकें।
- कला महोत्सव में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं जिनमें 232 कलाकारों, 8 आर्ट इंस्टीट्यूशंस की कलाकृतियाँ हैं।
- महोत्सव के दौरान चाइल्ड आर्ट कॉम्पटीशन, लाइव पोट्रेट पेंटिंग, ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग और फेस पेंटिंग कॉम्पटीशन के आयोजन किये जाएंगे।
- परिसर में प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है एवं कोरोना के सभी नियमों के पालन के लिये लोगों को पाबंद किया जा रहा है।

नोट :

कोविड वैक्सीनेशन की दूसरी डोज लगाने में भी प्रतापगढ़ अव्वल

चर्चा में क्यों ?

- 19 नवंबर, 2021 को कोविड वैक्सीन की प्रथम डोज शत-प्रतिशत लगाने के बाद अब दूसरी डोज में भी प्रतापगढ़ ज़िले ने राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रतापगढ़ ज़िले की 66.0 फीसदी आबादी ने वैक्सीन की दूसरी डोज लगवा ली है, जबकि अजमेर ज़िला 64.4 प्रतिशत आँकड़ों के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है।
- गौरतलब है कि इससे पूर्व प्रतापगढ़ ज़िला ने राज्य स्तर से निर्धारित लक्ष्य के अनुपात में सौ फीसदी से ज़्यादा लोगों को वैक्सीन की प्रथम डोज लगाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया था।
- प्रतापगढ़ की करीबन 66 फीसदी आबादी को वैक्सीन की दूसरी डोज लगा दी गई है। यहाँ 4 लाख 3 हज़ार 77 लोग पूरी तरह से वैक्सीन के ज़रिये प्रतिरक्षित हो चुके हैं। वहीं प्रथम डोज के मामले में 6 लाख 58 हज़ार 7 सौ 57 लोग प्रथम डोज लगवा चुके हैं।
- विषम भौगोलिक परिस्थिति एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के बाद भी यहाँ के लोगों में वैक्सीन के प्रति रुझान बरकरार है। यही कारण है कि दूर-दराज़ के ऐसे क्षेत्र, जहाँ पर मोबाइल के नेटवर्क भी काम नहीं करते हैं, वहाँ भी लोग कोविड की वैक्सीन लगवाने के मामले में पीछे नहीं हैं।
- ज़िले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वीडी मीना ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक विषम परिस्थितियों में भी घर-घर पहुँचकर लोगों को वैक्सीन लगा रहे हैं।

घरेलू हिंसा पीड़ित विदेशी नागरिक भारत में दर्ज करा सकती है शिकायत

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने एक महत्त्वपूर्ण फैसले में कहा है कि घरेलू हिंसा की पीड़ित विदेशी नागरिक भी अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकती है, बशर्ते उसके साथ हिंसा भारत में रहने के दौरान हुई हो।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि कैथरीन नामक महिला ने 2019 में जोधपुर में रहने के दौरान अपने पति रॉबर्टो के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराई थी। रॉबर्टो ने शिकायत के खिलाफ पहले मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में और उसके बाद अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत (महिला अत्याचार मामले) में चुनौती दी।
- दोनों अदालतों से याचिका खारिज होने के बाद रॉबर्टो ने कैथरीन के भारतीय नागरिक न होने का हवाला देते हुए शिकायत के सुनवाई योग्य न होने के आधार पर दोनों फैसलों को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।
- मामले पर बहस करते हुए याचिकाकर्त्ता के वकील ने कहा कि याचिकाकर्त्त और प्रतिवादी भारतीय नागरिक नहीं हैं। इसका विरोध करते हुए प्रतिवादी के वकील ने कहा कि घरेलू हिंसा कानून 2005 की धारा 2 (ए) के अनुसार 'पीड़ित व्यक्ति' की परिभाषा दी गई और खुद परिभाषा के अनुसार, विदेशी नागरिक समेत कोई भी महिला, जो घरेलू हिंसा का शिकार हुई है, वह निचली अदालत में अर्ज़ी दायर कर सकती है।
- दलीलों को सुनने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस विनीत कुमार माथुर ने कहा कि प्रतिवादी पिछले करीब 25 वर्षों से जोधपुर में रह रही है और याचिकाकर्त्ता से शादी करने के बाद शिकायत में दर्ज घटना जोधपुर की है तथा घरेलू हिंसा कानून 2005 की धारा 2 (ए) और 12 के तहत निकली परिभाषाओं के मद्देनज़र कैथरीन की शिकायत सुनवाई योग्य है।

नोट :

राज्य में दिव्यांगों को भर्ती के साथ पदोन्नति में भी आरक्षण

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने दिव्यांगजन अधिकार नियम संशोधन-2021 जारी कर सभी सरकारी विभागों में दिव्यांगों के सीधी भर्ती और पदोन्नतियों में दिये जाने वाले आरक्षण के प्रावधान के संबंध में प्रिपत्र जारी किया है।

प्रमुख बिंदु

- इसके तहत अब राज्य में सरकारी भर्तियों के साथ ही पदोन्नतियों में भी दिव्यांगों को चार प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा।
- इसके साथ ही राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों को सीधी भर्ती में ऊपरी आयु सीमा में एक साल की छूट देने का भी प्रावधान किया है।
- दिव्यांगों की मदद के लिये सरकारी विभागों में नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, जो दिव्यांगों से जुड़े विभिन्न मामलों को देखेंगे।

8 आईपीएस समेत 66 अधिकारी व पुलिसकर्मी डीजीपी डिस्क से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 29 नवंबर, 2021 को राजस्थान के पुलिस महानिदेशक एम. एल. लाठर ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में 66 पुलिस एवं अन्य सेवाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों को सराहनीय कार्य के लिये डीजीपी प्रशस्ति-पत्र डिस्क एवं रोल प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अपराध रवि प्रकाश ने बताया कि सम्मान समारोह के दौरान 8 आईपीएस, एक अतिरिक्त निदेशक प्रचार, एक उप निदेशक स्वास्थ्य, 10 आरपीएस, 2 निजी सचिव, 9 पुलिस निरीक्षक व कंपनी कमांडर, 3 उप निरीक्षक व प्लाटून कमांडर, 2-2 मंत्रालयिककर्मी व हेड कॉन्स्टेबल एवं 28 कॉन्स्टेबल को डीजीपी प्रशस्ति-पत्र व रोल प्रदान किया गया।
- डीजीपी डिस्क से सम्मानित 8 आईपीएस हैं- एडिशनल डीजीपी, पुनर्गठन एवं नियम संजीव कुमार नार्जारी, आईजी इंटेलीजेंस रूपिंदर सिंह, डीआईजी कार्मिक गौरव श्रीवास्तव, एडिशनल कमिश्नर द्वितीय जयपुर हैदर अली जैदी, डीआईजी सीआईडी अनिल कुमार टॉक, एसपी जयपुर ग्रामीण मनीष अग्रवाल, एसपी कोटा शहर गौरव यादव (वर्तमान में सीआईडी सीबी जयपुर) एवं एसपी प्रशिक्षण पीटीसी जयपुर दौलतराम अटल।
- सम्मानित किये गए 10 आरपीएस हैं- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल, ज्ञान चंद यादव, भरत लाल मीणा, सौरभ कोठारी, ललित किशोर एवं पुलिस उप अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह, रामानंद शर्मा, सूर्यवीर सिंह राठौड़, नरेंद्र कुमार व अमीर हसन।
- इसके अलावा अतिरिक्त निदेशक प्रचार पुलिस मुख्यालय गोविंद पारीक एवं उप निदेशक स्वास्थ्य डॉक्टर सुनील पूनिया को डीजीपी का सम्मान दिया गया।
- साथ ही अतिरिक्त निजी सचिव, पुलिस मुख्यालय मुरारी लाल गुप्ता, डीजीपी के निजी सहायक बनवारी लाल शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी अनुभाग प्रथम नेमीचंद शर्मा एवं सूचना सहायक एससीआरबी प्रकाश कंवर शेखावत को भी सम्मानित किया गया।
- सम्मानित 9 पुलिस निरीक्षक एवं कंपनी कमांडर हैं- पुलिस निरीक्षक धीरज वर्मा, कामरान खान, राम सिंह नाथावत, शिवदास मीणा, पूनम चौधरी, विक्रांत शर्मा एवं कंपनी कमांडर दीपक जोशी, सीताराम तथा वीना कुमारी।
- सम्मानित 3 उप निरीक्षक व प्लाटून कमांडर एवं 2 हेड कॉन्स्टेबल हैं- प्लाटून कमांडर मुकेश कुमार व उपनिरीक्षक रामकिशोर शर्मा एवं उपनिरीक्षक प्रोबेशनर विजय मीणा तथा हेड कॉन्स्टेबल जगदीश प्रसाद जाट व महावीर प्रसाद यादव।
- सम्मानित 28 कॉन्स्टेबल एवं कॉन्स्टेबल चालक हैं- अशोक सिंह, अशोक कुमार रावत, भागीरथ मीणा, भंवर लाल, भूपेंद्र कुमार, गुमान सिंह, हेमराज राजावत, हनुमान चौधरी, जितेंद्र कुमार, कृष्ण कुमार, लालाराम, मुकेश कुमार गुर्जर, मुनेश कुमार, महेंद्र कुमार, महीराम, महेश कुमार, नारायण लाल, नरेंद्र सिंह, ओम प्रकाश, प्रताप सिंह, राजेंद्र कुमार शर्मा, रामचंद्र, सुभाष चंद्र वर्मा, सुरेश कुमार यादव, सोमपाल सिंह, सुरेश चंद गुर्जर, सुरेश कुमार एवं उमेश चंद्र दीक्षित।

नोट :